कर्ण भी माता कुंती के हीं पुत्र थे जो सूर्य भगवान के आशीर्वाद से हुए थे । उस समय कुंती का विवाह पांडू से नहीं हुआ था जिसके कारण माता कुंती को इस बात का भय हुआ कि लोग बच्चे के विषय में क्या पूछेंगे इस लिए उन्हों ने कर्ण को एक टोकरी में डाल कर नदी के पानी में बहा दिया । वह शिशु बाद में अधिरथ और राधा को मिला जिन्हों ने उन्हें बड़ा किया । कर्ण भी अर्जुन की तरह ही महान धनुर्धर थे। कर्ण को महान दान वीर के रूप में जाना जाता है ।